हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 25 मई 2026

11 100 मीटर दौड़ में नसीब और ईशा रही अव्वल

12 चानौत के ग्रामीण मांगों पर डटे, 26 को पब्लिक...

खबर संक्षेप

रास्ता रोककर हमला करने पर 4 गिरफ्तार

हिसार। सदर पुलिस ने रास्ता रोककर मारपीट करने व नुकीले हथियार से हमाला करके चोटे मारने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान खरड़ निवासी मोहित, नितिन व समीर तथा अलीपुर निवासी शिवम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार इस संबंध में खरड़ गांव निवासी नरेन्द्र ने शिकायत दी थी। एएसआई विरेन्द्र ने बताया कि 19 मई को को नरेन्द्र ने उसके साथ मारपीट करने व नुकीले हथियार से हमला करने की शिकायत दी थी। शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

शादी का झांसा दे किशोरी को भगाने का आरोपी धरा

हिसार। एचटीएम पुलिस टीम ने नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान शहर के विनोद नगर निवासी सचिन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार इस संबंध में शहर की महिला ने 20 मई को थाना एचटीएम में शिकायत दी थी कि आरोपी उसकी नाबालिग बेटी को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगा कर ले गया। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

साइबर ठगी की राशि पीड़ित को वापस दिलाई

हिसार। साइबर क्राइम पुलिस टीम ने ठगी के शिकार हुए एक व्यक्ति की राशि वापस दिलवाई है। थाना प्रभारी सतेंद्र के नेतृत्व में उप निरीक्षक नरेंद्र ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले में जांच करते हुए पीड़ित को उसके 16 हजार 201 रुपये वापस दिलवाए हैं। पुलिस के अनुसार सेक्टर 16-17 निवासी घनश्याम के साथ व्हाट्सप्प पर निवेश के नाम पर साइबर धोखाधड़ी हुई थी। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने तुरंत एनसीसीआरपी पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। थाना साइबर क्राइम की टीम ने तकनीकी अनुसंधान और बैंक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर ठगी गई राशि को फ्रीज करवाया। कानूनी प्रक्रिया और कोर्ट के नियमों के अनुसार सुपरदारी की प्रक्रिया को पूरा करते हुए, यह पूरी राशि 16201 रुपये पीड़ित के खाते में रिफंड करवाए।

चोरी की बुलेट बाइक के साथ एक काबू

हांसी। एवीटी स्टाफ टीम ने चोरी की बुलेट बाइक सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान बास बादशाह पुर निवासी राहुल के रूप में हुई है। एवीटी प्रभारी ने बताया कि गश्त पड़ताल के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैनीपुरा बाइपास के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान गांव सैनीपुरा की तरफ से बिना नंबर प्लेट लगी एक बुलेट बाइक आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने चालक को रुकने का इशारा किया, लेकिन युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसे काबू कर बाइक के दस्तावेज मांगे तो वही कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। बाइक के चेसिस नंबर की जांच पर करने पर पता चला कि बाइक थाना आईएमटी रोहतक में दर्ज चोरी के मुकदमे से संबंधित है। पुलिस ने बाइक कब्जे में लेकर आरोपी पर थाना शहर हांसी में मामला दर्ज कर लिया है।

अवैध शराब के केस में घोषित अपराधी दबोचा

हांसी। शहर पुलिस ने एक घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जिला जेल हिसार भेज दिया गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान जमावड़ी निवासी दीपक उर्फ दीपू के रूप में हुई है। एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि आरोपी दीपक उर्फ दीपू अवैध शराब से संबंधित एक मामले में वांछित था।

एक हादसे ने उजाड़ दिए 3 परिवारों के सहारे, भाटला में पसरा मातम

परिवार वालों के मना करने के बावजूद रात को होटल पर खाना खाने निकले थे तीनों दोस्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हांसी

भाटला गांव के लिए रविवार की सुबह बेहद दर्दनाक खबर लेकर आई। गांव के तीन युवकों धर्मबीर, राजेश और अशोक की सड़क हादसे में मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। एक साथ तीन दोस्तों की मौत ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। गांव में जहां भी लोग मिले, बस हादसे और तीनों युवकों की ही चर्चा होती रही। हादसा रविवार तड़के 1:30 बजे हुआ। कार की टक्कर लगने के बाद बाइक काफी दूर जाकर गिरी। कार के दोनों एयरबैग भी खुलने से कार चालक की जान तो बच गई, लेकिन तीनों दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। सदर थाना पुलिस ने उन्हें हांसी के सामान्य अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सदानंद ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ। वहीं कार में सवार लोगों के घायल होने की भी सूचना है, लेकिन वे किस अस्पताल में उपचाराधीन हैं, पुलिस द्वारा इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। हादसे की खबर मिलते ही नागरिक अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। सड़क हादसे में एक साथ गांव की तीन लोगों की मौत के बाद से मातम पसरा हुआ है

धर्मबीर दो भाइयों में बड़ा था और खेती का और कभी-कभार लकड़ी का काम करता था। धर्मबीर की दो लड़की और एक लड़का है। एक लड़की की शादी कर रखी है, लड़के की उम्र दस साल है। वह घर में कमाने वाला इकलौता सदस्य था। राजेश अपने माता-पिता का इकलौता था, और दो बच्चों का पिता था। उसका एक लड़का 12 साल और दूसरा 7 साल का है। राजेश खेती का काम करता था और परिवार के भरण-पोषण का जिम्मा उसी पर था।

परिवार के सदस्यों के अनुसार तीनों युवक रात को करीब साढ़े दस बजे घर से होटल पर खाना खाने की बात कहकर निकले थे। परिवार के सदस्यों ने रात को घर से बाहर जाने से मना भी किया था, परंतु तीनों नहीं माने और बाइक पर सवार होकर चल पड़े और रास्ते में तीनों हादसे का शिकार हो गए। अशोक भी अपने परिवार का इकलौता लड़का था, जोकि अविवाहित था। वह हांसी में एसी और फ्रिज रिपेयरिंग का काम करता था। उसके परिवार में अब सिर्फ उसके माता-पिता रह गए हैं।

सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सदानंद ने बताया कि गाड़ी थुराना निवासी मनोज पानू के नाम पर रजिस्टर्ड है। उन्होंने बताया कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया कि हादसे के वक्त गाड़ी कौन चला रहा था। पुलिस निजी अस्पतालों में जांच कर कार सवार घायलों के बारे में जानकारी हासिल करने का प्रयास कर रही है।

हांसी। हादसे में मारे गए तीनों दोस्त और कार की टककर लगने के बाद क्षतिग्रस्त बाइक।

गुजविः एमए हिंदी पाठ्यक्रम में शामिल होगा 'हिन्दी और एआई'

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में इस सत्र 2026 में विद्यार्थियों के लिए 'हिन्दी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)' विषय को एक नवीन पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किया जाएगा। यह दो क्रेडिट का ऐच्छिक पाठ्यक्रम होगा, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा और आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकों के अंतर्संबंध से परिचित कराना रहेगा।

हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार बहमनी ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किए गए इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को ए आई, मशीन लर्निंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग डीप लर्निंग जैसी आधुनिक अवधारणाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही हिन्दी कम्प्यूटिंग, यूनिकोड, वॉयस टाइपिंग, स्पीच रिकग्निशन तथा टेक्स्ट टू स्पीच तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के डिजिटलीकरण, ए आई आधारित लेखन उपकरणों, चैटबॉट तकनीक, डिजिटल पुस्तकालय, सोशल मीडिया और डिजिटल हिन्दी जैसे विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त मशीन अनुवाद, ए आई, आधारित संपादन, मीडिया एवं शोध कार्य में ए आई की उपयोगिता पर भी विशेष अध्ययन करवाया जाएगा।

शुरू हो चुके हैं दाखिले

उन्होंने बताया कि यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को आधुनिक डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करेगा तथा हिन्दी भाषा को तकनीकी रूप से अधिक सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगा। पाठ्यक्रम में ए आई के नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों पर भी गंभीर चर्चा की जाएगी, जिससे विद्यार्थी तकनीक के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्षों को समझ सकेंगे। उन्होंने बताया कि इन दिनों एमए हिंदी में प्रवेश पाने के लिए ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से गुजविप्रौवि की वेबसाइट पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं।

आईपीएल मैच पर सट्टा लगाते दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हांसी

सीआईए-वन ने आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा लगवा रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 50 हजार नकदी, पांच मोबाइल फोन, हिसाब-किताब की नोटबुक सहित अन्य सामान बरामद किया है।

सहायक उप निरीक्षक सम्मत सिंह ने बताया कि सीआईए-वन की टीम गांव सैनीपुरा क्षेत्र में गश्त और अपराध जांच पर मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि बीड़ फार्म निवासी सुरेन्द्र उर्फ सुंदर व विजय अपने खेत में बैठकर मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए आईपीएल मैचों पर सट्टा लगवाने का अवैध कारोबार चला रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत छापा मारा। मौके पर दोनों आरोपी आईपीएल में हैदराबाद और बैंगलूरू के बीच खेले जा रहे मुकाबले पर मोबाइल फोन के जरिए सट्टे का लेन-देन करते हुए मिले। पुलिस ने दोनों को मौके पर ही काबू कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से पांच मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनमें से एक मोबाइल में क्रिकेट सट्टे से संबंधित एप संचालित मिली। इसके अलावा एक नोटबुक भी बरामद हुई, जिसमें सट्टे के लेन-देन और हिसाब-किताब का रिकॉर्ड दर्ज था। आरोपी सुरेन्द्र उर्फ सुंदर के कब्जे से 50 हजार नकदी भी बरामद की गई। पुलिस ने बरामद सभी सामान को कब्जे में लेकर थाना शहर हांसी में हरियाणा जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

12.68 ग्राम हेरोइन के साथ दो आरोपी दबोचे

नारनौंद। सीआईए-टू की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर 12.68 ग्राम हेरोइन बरामद की है। दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीआईए-टू की टीम उप निरीक्षक फिरोज खान के नेतृत्व में गश्त व जांच के दौरान गांव मोठ के पास मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गांव सिसाय बोलान निवासी अक्षय व रोहित को मोटरसाइकिल पर नशीला पदार्थ लाते हुए काबू किया। तलाशी के दौरान आरोपित अक्षय के कब्जे से 12.68 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ थाना नारनौंद में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने हेरोइन व वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया है।

गारमेंट्स शोरूम में आग, सामान जलकर राख

एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल की तीन गाड़ियों ने पाया आग पर काबू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हांसी

शहर के व्यस्ततम छाबड़ा चौक स्थित गौरव गारमेंट्स शोरूम में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते शोरूम का पूरा प्रथम तल धुएं और आग की लपटों से घिर गया। आगजनी की घटना के बाद आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रविवार को शोरूम के ऊपरी हिस्से से अचानक धुएं के गुबार उठने लगे, जिसके बाद कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। प्रथम तल पर बड़ी मात्रा में रेडीमेड कपड़े, पैकिंग सामग्री और अन्य सामान रखा हुआ था, जिससे आग तेजी से फैलती चली गई। आग की ऊंची लपटें दूर तक दिखाई दे रही थीं।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दमकल कर्मियों ने लगातार पानी की बौछार कर आग को काबू में किया और उसे आसपास की दुकानों तक फैलने से रोक लिया। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो बाजार में बड़ा हादसा हो सकता था। फायर ब्रिगेड कर्मचारी विनोद ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम तुरंत मौके पर पहुंची और हालात को देखते हुए अतिरिक्त दमकल वाहन बुलाए गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

घटना में शोरूम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। गारमेंट्स शोरूम में आगजनी की सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंच स्थिति का जायजा लिया।

हांसी। आग लगने के बाद शोरूम से निकलता धुंआ और पहुंची दमकल गाड़ी। फोटो : हरिभूमि

जीएम ने नहीं मानीं मांगें, आज होगा बस अड्डे का गेट बंद

धरने के 10 दिन बाद भी मांगें पूरी न होने पर रोडवेज कर्मचारियों ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

रोडवेज के हिसार डिपो के कर्मचारियों की लंबित मांगों के हल के लिए चल रहा धरना रविवार को 10वें दिन भी जारी रहा। दस दिन के धरने के बाद भी मांगे पूरी न होने पर कर्मचारियों ने अपनी घोषणा के अनुसार सोमवार को बस अड्डे का गेट बंद करने का ऐलान किया है।

धरने के 10वें दिन की अध्यक्षता राजेश सेलवाल ने की, जबकि मंच संचालन अनिल सरसाना ने किया। धरने को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों की लंबित 15 सूत्रीय मांगों में से अब तक एक भी मांग को धरातल पर लागू नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाप्रबंधक की ओर से केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष बना हुआ है। कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि महाप्रबंधक हिसार की कार्यशैली से नाराज कर्मचारी 25 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बस स्टेंड के मुख्य गेट को बंद कर विरोध प्रदर्शन करेंगे, ताकि प्रशासन को कर्मचारियों की समस्याओं का अहसास कराया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि मई 2023 से लंबित रात्रि भत्ता, एसपीएल चालकों की वर्ष 2020 से 2023 तथा 2024 से 2027 तक की एलटीसी, वर्ष 2024-25 व 2025-26 की वेतन वृद्धि एवं एरियर, 2018 बैच के चालकों का प्रथम एसीपी, मेडिकल बिल सहित अन्य प्रमुख मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो सांझा संघर्ष समिति बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होगी। सांझा संघर्ष समिति हिसार ने सभी कर्मचारियों से 25 मई के गेट बंद आंदोलन को सफल बनाने की अपील करते हुए कहा कि कर्मचारी एकता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

धरने में बजरंग लाखा, संदीप जैनावास, जितेंद्र शर्मा, शिव कुमार श्योराण, जोगेंद्र पंघाल, नरेंद्र खरड़, अनूप श्योकंद, अजय दुहन, कर्मबीर मसूदपुर, अमित जुगलान, पवन कनोह, अमरदीप रेड्डू, दर्शन जांगड़ा, वीरेंद्र किरतान, रोहतास कुंडू, रमेश गैबीपुर और रमेश यादव सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

हिसार। हिसार डिपो साझा संघर्ष समिति के धरने को संबोधित करते पदाधिकारी।

पंचकूला में होने वाली ताइक्वांडो टीम का चयन

हिसार। पंचकूला 30 -31 मई को में होने वाली तीसरी हरियाणा राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए जिला हिसार की ताइक्वांडो टीम का चयन मिल गेट स्थित द राइजिंग ताइक्वांडो क्लब में किया गया। इस प्रक्रिया में हिसार के विभिन्न स्कूलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रतियोगिता में सेंटर रेफरी की भूमिका में आकाश कुमार, सुरेश गिल, यश सैनी व सत्यनारायण रहे। चीफ जूरी टेबल पर कोच त्रिलोक शर्मा नियाणा, एडवोकेट नीरज वर्मा, एडवोकेट मुकेश कुमार मौजूद रहे और सभी ने चयनित खिलाड़ियों का आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अच्छे खेल के उम्मीद करते हुए खिलाड़ियों का हौसला अफजाई की। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता ताइक्वांडो वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव विनोद सैनी, राजपाल पान्नू, रविंद्र सैनी व हरजिंदर सिंह सीनियर ताइक्वांडो कोच के देखरेख में आयोजित की जा रही है। विजेता खिलाड़ियों को मेडल देकर के सम्मानित किया गया।

हिसार। चयन प्रक्रिया में प्रदर्शन करते खिलाड़ी।

जिलावासियों से अपील | एसपी सिद्धांत जैन ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने पर दिया जोर

घरों, दुकानों, संस्थानों पर लगवाएं सीसीटीवी कैमरे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से एसपी सिद्धांत जैन ने नागरिकों, व्यापारियों, उद्योगपतियों, शिक्षण संस्थानों, बैंक संचालकों, पेट्रोल पंप मालिकों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से अपने घरों, दुकानों, कार्यालयों, फैक्ट्रियों, स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्थानों पर आधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि बदलते समय में अपराधी नई तकनीकों का इस्तेमाल कर वारदातों को अंजाम देने की कोशिश करते हैं, ऐसे में सीसीटीवी कैमरे सुरक्षा का सबसे मजबूत और प्रभावी माध्यम बनकर सामने आए हैं। कैमरों की सहायता से अपराधियों की पहचान, घटनास्थल की वास्तविक स्थिति, संदिग्ध वाहनों की जानकारी तथा वारदात में शामिल व्यक्तियों तक शीघ्र पहुंचना संभव हो पाता है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिन क्षेत्रों, बाजारों, गलियों, कॉलोनियों व गांवों में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, वहां अपराध करने वाले व्यक्ति भी वारदात करने से डरते हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक का यह नैतिक दायित्व बनता है कि वह अपनी सुरक्षा के साथ-साथ समाज की सुरक्षा में भी सहयोग करे। एसपी ने विशेष रूप से निर्देश दिए गए हैं कि बाजारों, मुख्य सड़कों, कॉलोनियों के प्रवेश व निकास मार्गों, गांवों के मुख्य रास्तों, पार्किंग स्थलों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों तथा संवेदनशील स्थानों पर अधिक कैमरे लगाए जाएं। कैमरों की रिकॉर्डिंग क्षमता अच्छी हो तथा रात के समय भी स्पष्ट फुटेज उपलब्ध हो सके, इसके लिए उचित गुणवत्ता वाले कैमरों का चयन किया जाए। साथ ही कैमरों को नियमित रूप से चालू हालत में रखा जाए और उनकी रिकॉर्डिंग का बैकअप सुरक्षित रखा जाए।

झूठी शिकायत करने वालों पर होगी कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी थाना प्रबंधकों, चौकी प्रभारियों और जांच अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि पुलिस को मिलने वाली हर शिकायत की निष्पक्ष, गहन और तथ्यात्मक जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि जांच के दौरान कोई शिकायत झूठी, मनगढ़ंत या किसी निर्दोष व्यक्ति को फंसाने के उद्देश्य से दी गई पाई जाती है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।एसपी ने कहा कि कई लोग निजी रंजिश, आपसी विवाद या दबाव बनाने के लिए पुलिस को झूठी शिकायतें देते हैं, जिससे पुलिस का समय और संसाधन व्यर्थ होते हैं तथा वास्तविक पीड़ितों को समय पर न्याय मिलने में बाधा आती है। पुलिस ऐसे मामलों को गंभीरता से ले रही है और कानून का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों की जांच करते समय दोनों पक्षों की बात गंभीरता से सुनी जाए और तथ्यों व साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई की जाए। यदि कोई शिकायत झूठी साबित होती है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ उचित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए।

बिजली निगम के डायरेक्टर कल लगाएंगे खुला दरबार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के डायरेक्टर डॉ. योगेश बिदानी की ओर से जनता की बिजली संबंधी समस्याओं और शिकायतों के निपटारे के लिए खुले दरबार का आयोजन 26 मई को किया जाएगा। यह खुला दरबार डबल फाटक स्थित सिटी सब डिवीजन व सेक्टर 1-4 सब डिवीजन में लगाया जाएगा जो सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलाया जाएगा। इस दौरान बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता और उपमंडल अधिकारी उपस्थित रहेंगे तथा जनता की बिजली के बिलों से संबंधित व प्रधानमंत्री सौर ऊर्जा योजना से संबंधित शिकायतों को सुनकर उनका निपटारा किया जाएगा। खुले दरबार में नागरिकों का अपनी बिजली संबंधी शिकायतों का निपटारा करवाने का आहवान किया गया है। आम नागरिकों की सुविधाओं को देखते हुए निगम के डायरेक्टर डॉ योगेश बिदानी द्वारा यह खुला दरबार का आयोजन किया जा रहा है ताकि जनता अपनी बिजली संबंधी समस्या का निदान प्राप्त कर सके।

आस्था का केंद्र

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

हरियाणवी के अनन्य साधक रहे पं. हरिकेश पटवारी

हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया।

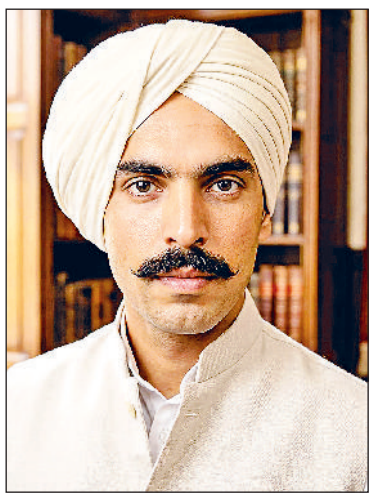

लोक साहित्य

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के संघर्षों, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना का एक जीवंत दस्तावेज़ है, जिसने सदियों से इस क्षेत्र की पहचान को अक्षुण्ण रखा है। 'सांग' और 'रागनी' जैसी समृद्ध विधाओं के साहित्यिक क्षेत्र में अनेक ऐसी महान विभूतियां उभरीं, जिन्होंने अपनी अनमोल लेखनी से लोक-भाषा को अमर बना दिया।

इसी श्रृंखला में एक दैदीप्यमान नक्षत्र की तरह चमकते हैं लोककवि पं. हरिकेश पटवारी। पं. हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया। पं. हरिकेश पटवारी का जन्म पंडित उमाशंकर और बसन्ती देवी के घर में 7 अगस्त 1898 को तत्कालीन पंजाब के संगरूर जिले के अंतर्गत आने वाले धनौरी गांव में हुआ था, जो वर्तमान समय में हरियाणा के कैथल जिले की नरवाना तहसील का हिस्सा है। उनके जन्म के समय यह क्षेत्र पटियाला रियासत का एक अभिन्न हिस्सा हुआ करता था, जिससे उनके जीवन और प्रारंभिक वैचारिक विकास पर रियासती दौर की व्यवस्थाओं और ग्रामीण परिवेश का गहरा प्रभाव पड़ा। एक साधारण ब्राह्मण परिवार में जन्मे हरिकेश की प्रारंभिक शिक्षा धनौरी में ही संपन्न हुई, जिसके बाद वे उच्च शिक्षा के लिए पंजाब के खन्ना क्षेत्र में चले गए और वहां से अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। उन्होंने राजस्व विभाग में पटवारी के पद पर सरकारी सेवा प्रारंभ की। इसी पद पर कार्य करने के कारण वे लोकमानस में पं. हरिकेश पटवारी के नाम से विख्यात हुए और उन्हें ग्रामीण समाज, किसानों की समस्याओं और सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली को बहुत ही करीब से देखने का अवसर मिला। वे अपनी कुशाग्र बुद्धि, तीक्ष्ण समझ और हाजिर-जवाबी के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध थे तथा उन्होंने कई भाषाओं में लेखन का कार्य भी किया। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद जब भारत एक नए युग में प्रवेश कर रहा था, तब हरियाणा के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिवेश को उन्होंने बहुत ही विश्वसनीय, प्रामाणिक और पारदर्शी ढंग से अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता के सामने प्रस्तुत किया। उनकी रचनाओं में व्यक्त सच्चाई और सहज कला के कारण उनकी रागनियां आम जनमानस में अत्यधिक लोकप्रिय हुईं, क्योंकि ग्रामीण आंचल के किसान, मजदूर और सामान्य नागरिक उनकी कविताओं में अपनी ही आवाज पाते थे। उनकी चार पुस्तकें हरियाणवी लोक-साहित्य की अनमोल धरोहर मानी जाती हैं, जिनमें वैराग्य रत्नमाला, आजादी की झलक, हरिकेश पुष्पांजलि और प्रश्नोतरी शामिल हैं। इन प्रकाशित पुस्तकों के अतिरिक्त उनकी कई अमूल्य रचनाएं अप्रकाशित भी रह गईं जिनमें सत्यवान-सावित्री, जानी चोर, हरफूल जाट और ऊखा-अनिरुद्ध आदि किस्से शामिल हैं जो प्रमाणित करती हैं कि उनकी पैठ पौराणिक आख्यानों से लेकर समकालीन लोक-इतिहास तक समान रूप से गहरी थी। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है जिसमें ईश्वर की असीम सत्ता और प्रकृति के रहस्यों के प्रति गहरा कौतुक और दार्शनिक दृष्टिकोण दिखाई देता है जिसका एक अनुपम उदाहरण उनके इस काव्य संदर्भ में मिलता है जहाँ वे कहते हैं:बड़े बड़े गए हार, तेरी है अपार माया ,कहीं परथल कहीं चलें फवारे, तेरी कुदरत के अजब नजारे,तारे चन्द्रमा और भान, बादल बिजली के निशान,बिना खंभे आसमान, कौन से सीस पर टिकाया ।इन पंक्तियों में कवि ने ब्रह्मांड की रचना पर आश्चर्य और श्रद्धा व्यक्त करते हुए बताया है कि बड़े-बड़े विद्वान भी ईश्वर की इस अपार माया को समझने में हार मान चुके हैं और बिना किसी खंभे या सहारे के इस विशाल आसमान को ईश्वर ने किस अदृश्य शीश या आधार पर टिका रखा है यह इंसानी बुद्धि के परे है। हरिकेश एक सजग लोककवि थे इसलिए वे समाज में व्याप्त विसंगतियों और अन्याय को देखकर चुप नहीं रह सके और उन्होंने उस कड़वे यथार्थ को अपनी कविता का विषय बनाया जहां सदाचारी दुखी हैं और पापी सुखी हैं जिसके बारे में वे भगवान से ही सीधे प्रश्न करते हैं:

भूखे मरते भक्त, ऐश करते ठग चोर जवारी क्यूं,
फिर भगवान तनै न्यायकारी कहती दुनिया सारी क्यूं,
नशे विषे में मस्त दुष्ट सुख की निद्रां सोते देखे,
सतवादी सत पुरुष भूख में जिन्दगानी खोते देखे,
एम.ए. बी.ए. पढ़े लिखे सिर पर बोझा ढोते देखे

यह रचना उनकी सामाजिक चेतना का चरमोत्कर्ष है जिसमें वे शिक्षा और रोजगार की विसंगति पर प्रहार करते हुए कहते हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त योग्य युवा बेरोजगार होकर सिर पर बोझा ढोने के लिए मजबूर हैं जबकि मूर्ख और अनपढ़ लोग ऊंचे पदों और कुर्सियों पर आसीन होकर राज कर रहे हैं। कवि ने संसार के लोगों के स्वभाव और प्रवृत्तियों का बहुत ही सूक्ष्म अध्ययन किया था और वे जानते थे कि हर मनुष्य अपनी ही धुन में, अपने ही स्वभाव में मस्त है जिसे वे अपनी पंक्तियों में इस प्रकार व्यक्त करते हैं:

कोई अनुरागी कोई त्यागी कोई बल और धन में मस्त कोई,
कोई ज्ञानी कोई ब्रह्मज्ञानी खल मूर्खपन में मस्त कोई,
रज्या मरै कोई बरत करे और पौ भर अन्न में मस्त कोई,
झक मारै कोई बक मारै रहै मोनी मन में मस्त कोई।

यह काव्य संदर्भ सिद्ध करता है कि वे एक महान मनोवैज्ञानिक कवि थे जिन्होंने मानव व्यवहार के हर रंग को पहचानकर उसे शब्दों में ढाला।एक सच्चे कलाकार और स्वाभिमानी कवि के रूप में पं. हरिकेश पटवारी ने कभी भी अपनी कला का सौदा नहीं किया और वे जानते थे कि जहां कला, ज्ञान और गुणी जनों की कद्र न हो, वहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना व्यर्थ है जिसे वे इस प्रकार प्रकट करते हैं:

जहां जूत लगें और मिले मिठाई वो अनखज खाणा के,
जो कह के गुरु-गुरु बणजै इसे सतसंग का पाणा के,
जहां मूरख लंठ राज बैठे वहां निरगुण का गाणा के,
तै बिना कदर हरीकेश पकड़ ली कविता मूठ ढाल की।

यहां वे उन पाखंडी और धूर्त लोगों पर चोट करते हैं, जो केवल छल से किसी के गुरु बन बैठते हैं और जहां कला की कोई कद्र ही नहीं है, वहां कविता रचना व्यर्थ मानते हैं। वैराग्य और दर्शन के क्षेत्र में पं. हरिकेश पटवारी का दृष्टिकोण अद्वैतवादी संतों जैसा था जो ईश्वर को चराचर जगत के कण-कण में व्याप्त देखते थे, इसे उन्होंने बहुत ही सुंदर शब्दों में पिरोते हुए लिखा है:

भगत तेरे बस रहे सदा भगतों के बस में तू है,
लता पात फल फूल मूल धातु सब रस में तू है,
रूप चरम लहू माँस हाड़ नाड़ी नस-नस में तू है,
वन मरण लाभ हानि सब जस-अपजस में तू है।

कवि कहता है कि वनस्पति की लताओं, पत्तों, फलों, फूलों और मनुष्य के भौतिक शरीर की हड्डियों, नाड़ियों और नस-नस में केवल वही विधाता व्याप्त है। लोककवि का एक मुख्य दायित्व समाज को सही मार्ग दिखाना और नैतिक मूल्यों की स्थापना करना भी होता है। उन्होंने आम जनमानस को जीवन जीने की कला सिखाते हुए इस प्रकार उपदेश दिया है:

शील सबर धीरज धारण करके सन्तोषी रहा कर,
चोरी जारी बदकारी से सौ-सौ कोस दूर रहा कर,
अफीम शराब चरस भंग पीकर मत बेहोश रहा कर,
कंच पात्रसम शुद्धचित्त निर्मल निर्दोष रहा कर।

इन पंक्तियों में कवि मनुष्य को समझाते हैं कि वन में हमेशा शील, संतोष और धैर्य को धारण करना चाहिए तथा हर प्रकार के बुरे कर्मों और नशों से दूर रहकर अपना चरित्र कांच के साफ बर्तन के समान निर्मल रखना चाहिए। पं. हरिकेश ने अपनी राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्षों को भी अपनी अमर लेखनी से अंकित किया है जिसका जीवंत प्रमाण उनकी पुस्तक आजादी की झलक से मिलता है, जहां वे ब्रिटिश हुकूमत के अत्याचारों और उनकी दमनकारी नीतियों का अत्यंत मार्मिक चित्रण करते हुए लिखते हैं:

अंग्रेजों ने म्हारे देश को बिल्कुल चकनाचूर किया।
लूट लिया धन माल हिन्द का अपना घर भरपूर किया।
ऐसी डाली फूट सगा भाई भाई से दूर किया।
बंधी बुहारी खोल बिखेरी कितना बड़ा कसूर किया।

इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने उस ऐतिहासिक सच्चाई को बयां किया है कि कैसे विदेशी शासकों ने भारत की अपार धन-संपदा को लूटकर अपने देश को भरा और हमारी आपसी एकता को छिन्न-भिन्न करने के लिए फूट डालो और राज करो की कुटिल नीति अपनाई जिससे उन्होंने प्रेम से रहने वाले सगे भाइयों को एक-दूसरे से दूर कर दिया और पूरे समाज को तिनके-तिनके की तरह बिखेर कर देश को कमजोर कर दिया। इस महान सफलता और लोक-सेवा के पथ पर चलते हुए अंततः 8 फरवरी 1954 को पं. हरिकेश पटवारी इस नश्वर संसार से चल बसे परंतु अपनी अमर लेखनी के कारण वे आज भी लोक-मानस में जीवित हैं। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है। उन्होंने एक पटवारी के रूप में समाज के व्यावहारिक धरातल को नापा और एक कवि व गायक के रूप में समाज की आत्मा को झंकृत किया जिससे उनका जीवन अत्यंत सादगीपूर्ण और साहित्यिक योगदान अत्यंत विशाल व समृद्ध रहा। भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है, जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है।

रागिनी

सत्यवीर नाहड़िया

न्यूं बिदबान बतावैं

राग हुवैं छै-तीस रागनी, कोये छत्तीस गिणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये,रै न्यूं बिदबान बतावैं।।

टेक-कळी अर तोड़ हुवैं सैं, इसकी धड़कण प्यारी।
कई तरां की कळी बतायी, हो ताल-तरज न्यूँ न्यारी।
गावण की न्यारी लयकारी,ये तिन्नूँ खास बणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा अर चोगरदे नै ये सदा गूँजती आयी।
माँग साँग की भोत कदे थी,आग्गै फुटकड़ छायी।
वही रागणी पूरी पायी,जो कसी छंद म्हैं जावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

गाम-गाम म्हैं मिलैं गवैये,साज बजावैं न्यारे।
ढोलक-पेट्टी घड़वा-बैंजू,ताल मिलावैं सारे।
कथ कै गाग्ये बड्डे म्हारे,इब कौण उसी रच पावैं?
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा के सांगी-गायक,खूब दूर लग छाये।
कह 'नाहड़िया' कलमतोड़ वै, न्यारे इतिहास बणाये।
गावण के घर दूर बताये,पर रोज भतेरे गावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

कविता

त्रिलोक चंद फतेहपुरी

देश की अखंडता

नौजवानों देश का ऊंचा भाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

कयी देश द्रोही सिर अपणा ठावैं ।
देश की अखंडता नै तोड़णा चाहवै ।
ऐसे क्रूर जालिमों की पड़ताल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो ।।

सीमा पै पड़ोसी बैरी तण कै खड़ा सै ।
म्हारी एकता खंडित करण नै अड़ा सै ।
एकता कदे ना टूटे वा ढाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो ।।

जात धर्म के कयी बणै सैं हिमाती ।
भाषा विवाद आळै घणै खुरापाती ।
उन दुष्टों का ध्यान हर हाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो ।।

देश की अखंडता कायम , सुरक्षित हो
उन्नति के पथ पै देश सदा अग्रसित हो
त्रिलोक प्यारे देश को बेमिसाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

संस्कृति

हरियाणा में ग्राम-राज की आत्मा और लोकतंत्र का अनौपचारिक मैदान कहलाती हैं चौपालें

चौपालों की नई भूमिका को निर्मित करना जरूरी

जनजीवन

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा की धरती पर चौपालें ऐसे स्थान हैं, जहां गांव की खामोशी में राजनीति की बात होती है, लोक-संस्कृति की गूंज बजती है और सामाजिक ठहराव की गहरी दरारें भी दिखाई देती हैं। ये छोटे-छोटे, अक्सर मिट्टी-पगडंडियों के किनारे बने कच्चे मंच आज भी ग्रामीण जीवन की धड़कन बने हुए हैं। यही चौपालें आम जनता, महिलाओं, युवाओं और सत्ताधारियों के बीच अनौपचारिक संवाद का अनमोल माध्यम हैं, जिनकी गूंज आधुनिक राजनीति, नीति-निर्माण और लोक-संस्कृति तीनों स्तरों पर अपनी प्रासंगिकता बरकरार रखती है।

हरियाणा की चौपालें ग्रामीण समाज की पारम्परिक ग्राम-सभा की उत्तराधिकारी हैं, जहां समुदाय खुले आम बैठकर विवाद, नीति-प्रभाव और दैनिक समस्याओं पर बात करता है। यहां न केवल जमीन-पानी, सिंचाई, राशन-योजना या बिजली-समस्या जैसे मुद्दे उठते हैं, बल्कि गांव के बच्चों की शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा और पंचायत-निर्वाचन की रणनीति भी इसी अनौपचारिक मंच पर तैयार होती है। इस रूप में चौपाल लोकतंत्र की जड़ों का एक जीवित प्रतीक बन जाती है, जहां बिना नोटिस नियम-फाइल के आम आदमी की आवाज बिना फिल्टर के गूंजती है। लेकिन यही चौपालें एक कठोर सामाजिक सिस्टम का हिस्सा भी हैं, जहां जाति-प्रभुत्व, तानाशाही पितृत्व-नेतृत्व और वंशवाद की बातें भी अक्सर दबी आवाज में टकराती हैं। ऐसे में चौपाल एक दोहरी भूमिका निभाती है – वहीं जहां लोकतांत्रिक भागीदारी की संभावना झलकती है, वहीं सामाजिक विभाजन और असमानता की दीवारें भी और ऊंची उठती प्रतीत होती हैं। इस द्वंद्व के बीच चौपाल की नई भूमिका को निर्मित करना आज की जरूरत है। हरियाणा में चुनावी रणनीति अक्सर दिल्ली या चंडीगढ़ के पार्टी-कार्यालयों से शुरू नहीं होती, बल्कि गांव-गांव की चौपालों से शुरू होती है। प्रत्येक पंचायत-निर्वाचन से पहले चौपालें "राजनीतिक मुख्यालय" बन जाती हैं, जहाँ उम्मीदवारों के विज्ञापन, समर्थकों की बैठकें और वोट-संरचना पर खुलकर चर्चा होती है। यहाँ जाति-समीकरण, वंशवाद-विरोध, नई पीढ़ी की अपेक्षाएं और सरकारी योजनाओं की वास्तविकता से जुड़े तथ्यों का जीवंत विश्लेषण होता है। इसी कारण चौपाल एक अनौपचारिक राजनीतिक बाज़ार भी बन जाती है, जहाँ मतदाता व उम्मीदवार दोनों एक-दूसरे से सीधा संवाद स्थापित करते हैं। यहाँ नारे नहीं, बल्कि रोटी-सिंचाई-रोज़गार जैसे ठोस विषय चर्चा का आधार होते हैं। इस प्रकार चौपाल राजनीति को ग्रामीण धरातल पर उतारती है और उसे अमूर्त राजनीतिक विचारों से आम जनजीवन से जोड़ती है। चौपालें राजनीति से हटकर ग्रामीण संस्कृति का एक जीवंत मंच भी हैं। यहां तीज, बासंत, लोहड़ी, दीपावली और विवाह-उत्सवों के समय हरियाणवी लोक-गीत, ठाप, झूमर, नाद-नृत्य और ग्रामीण लोक-कथाएं गूंजती हैं। यहीं झूले, मेहंदी, गीत-संगीत और भोज-संस्कृति से जुड़ी सामाजिक बातें भी चलती हैं, जिनसे ग्राम-समाज की भावनात्मक जुड़ाव और सामाजिक नेटवर्क जीवित रहते हैं। चौपाल सिर्फ सामाजिक-राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की अदृश्य रचनात्मक ऊर्जा का भी एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति-स्थल है। यहीं से लोक-कथाएं, भावनाओं की भाषा और नारी-पहल की छोटी-छोटी शुरुआतें शहर-स्तरीय उत्सवों और मेलों के माध्यम से बाहर दुनिया तक पहुंचती हैं। आधुनिक युग में चौपालों की भूमिका अपने आप बदल रही है।

मोबाइल, डिजिटल मीडिया और ऑनलाइन बात-चीत ने ग्रामीण जनता की जानकारी के स्तर को उठाया है, लेकिन इसके साथ-साथ युवा पीढ़ी की चौपालों से दूरी भी बढ़ रही है। जहाँ कभी गांव के बुजुर्ग और युवा एक ही छत्र में बैठकर बातचीत करते थे, वहाँ आज सोशल-मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप अक्सर नए मंच बन जाते हैं। चौपाल की अवधारणा को नवीनीकरण की ज़रूरत है। यह डिजिटल युग के साथ जुड़कर एक नई पहचान बना सकती है जैसे "डिजिटल चौपाल", "युवा चौपाल" या "नारी चौपाल", जहां ग्रामीण समाज की नई पीढ़ी की भाषा और चिंताओं को भी समान रूप से शामिल किया जा सके। हरियाणा में चौपलों की गूँज आज भी जीवित है, लेकिन इसे सिर्फ पारम्परिक प्रतीक के रूप में न रखकर एक नवीनीकृत सामाजिक और सांस्कृतिक मंच के रूप में देखने की आवश्यकता है। यह चौपाल आज भी ग्रामीण जनता की आवाज, राजनीति की बुनियाद और सांस्कृतिक धड़कन तीनों को एक साथ जोड़ती है। इसे सुदृढ़ करना और उसे नवीन रूप देना, आधुनिक ग्राम-राज्य की स्वस्थ प्रगति के लिए अनिवार्य है।

सपनों को उम्र नहीं, सिर्फ हौसला चाहिए : डिंपल चौधरी

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

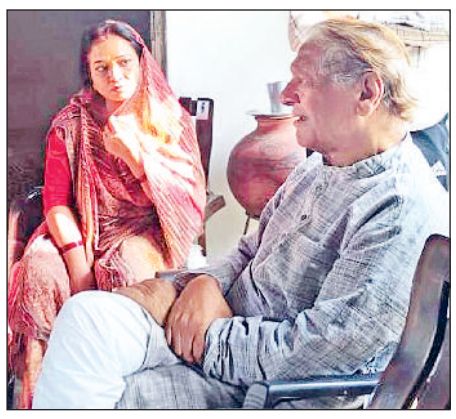

ज़िंदगी सिर्फ जिम्मेदारियों का नाम नहीं होती, कभी-कभी अपने अंदर छुपे कलाकार को जी लेना भी ज़रूरी होता है- यह पंक्ति सिर्फ़ एक विचार नहीं, बल्कि डिंपल चौधरी के पूरे जीवन का सार है। एक ऐसी महिला, जिसने परिवार, नौकरी और सामाजिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपने सपनों को भी पूरी शिद्दत से जिया और यह साबित किया कि अगर हौसले ज़िंदा हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

नोएडा में रहने वाली डिंपल का जन्म पुठकला में हुआ और उनकी पूरी पढ़ाई-लिखाई नजफगढ़ में हुई। बचपन से ही वह उन लड़कियों में शामिल रहीं जो सिर्फ़ किताबों तक सीमित नहीं थीं। स्कूल का कोई भी कार्यक्रम हो -डांस, स्पोर्ट्स, स्टेज एक्टिंग या अन्य गतिविधियां, उनका नाम हमेशा सबसे आगे रहता। अपने कॉलेज के दिनों में उन्होंने बैडमिंटन में भी कई पुरस्कार जीते। आज वह दिल्ली यूनिवर्सिटी में कार्यरत हैं और अपने काम को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभा रही हैं। उनके पति सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपना व्यवसाय चलाते हैं और हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाते रहे हैं। डिंपल ने ससुराल में भी उनकी सासू मां, जो एक रिटायर्ड प्रिंसिपल रह चुकी हैं, से डिंपल ने अनुशासन और आत्मविश्वास सीखा। परिवार के अन्य सदस्य देवर-देवरानी सभी ने हमेशा उन्हें प्यार और सहयोग दिया। डिंपल बहुत अच्छी डांसर हैं।

उन्होंने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मंचों पर अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दीं। उनके लिए डांस केवल कला नहीं, बल्कि आत्मा की आवाज़ है। धीरे-धीरे उनका अभिनय सफर भी आगे बढ़ता गया। उन्होंने कई शॉर्ट फिल्मों में काम किया, जिनमें "ये ही दहेज है", "परिश्रम", "पारखी", "मेरा परिवार", "अच्छी फीलिंग", "खास दोस्त", "बेटे की खुशी" और "सबक" जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। इन फिल्मों ने उन्हें केवल अभिनय ही नहीं सिखाया, बल्कि समाज को और करीब से समझने का अवसर भी दिया। उन्होंने एफटीएएफटी डिजिटल प्रोडक्शन के साथ कई रचनात्मक प्रोजेक्ट्स में काम किया और कैमरा विज़न प्रोडक्शन के पॉडकास्ट में अपने जीवन व अभिनय सफर को खुलकर साझा किया। उनके अभिनय जीवन में कई ऐसे अवसर आए, जिन्होंने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया। उन्हें बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और रजनीकांत की फिल्म रोबोट 2.0 और प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी के साथ काम करने का अवसर मिला। हाइफा ग्रुप से जुड़ना डिंपल चौधरी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जहां उन्हें बड़े कलाकारों से सीखने और अपने हुनर को निखारने का अवसर मिला। हाइफा के मंच पर अपनी शानदार डांस प्रस्तुतियों के जरिए उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। आज डिंपल चौधरी कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उन्होंने हरियाणा की मशहूर कलाकार सपना चौधरी के साथ आने वाली हरियाणवी फिल्म "फौजन" में काम किया है, जो जल्द ही रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और हरियाणवी कलाकार राखी लोहचब के साथ भी उनका एक नया प्रोजेक्ट आने वाला है। साथ ही बॉलीवुड अभिनेता राजेंद्र गुप्ता के साथ भी उन्होंने एक फिल्म में काम किया है, जो जल्द दर्शकों के सामने होगी। हरियाणवी सिनेमा में अपने अनुभव और सिनेमा में आए बदलावों के संदर्भ में डिंपल का मानना है कि आजकल हरियाणवी सिनेमा में पहले की तुलना में अधिक फ़िल्में, वेब सीरीज़, पारंपरिक गीतों के साथ-साथ नई धुनों और आधुनिक संगीत का भी निर्माण किया जा रहा है। इससे नई प्रतिभाओं को अपनी कला दिखाने का अवसर मिल रहा है और हरियाणवी मनोरंजन जगत की गुणवत्ता में भी निरंतर सुधार हो रहा है।

हरियाणवी बोली, संस्कृति और सकारात्मक हरियाणवी सोच को अब बॉलीवुड में भी विशेष पहचान और सराहना मिलने लगी है। यही कारण है कि आने वाले समय में हरियाणवी सिनेमा नई ऊंचाइयों को छूने की प्रबल संभावनाएं रखता है। आज डिंपल चौधरी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से जुड़ी रहती हैं, जहां उनके डांस और एक्टिंग वीडियोज़ कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। वह मानती हैं कि शादी, परिवार और नौकरी के बाद भी सपनों को जिया जा सकता है, अगर दिल में सच्चा जुनून हो। जब लोग उनसे समय निकालने का राज पूछते हैं, तो वह मुस्कुराकर कहती हैं - "जिस चीज़ से सच्ची खुशी मिले, उसके लिए समय अपने आप बन जाता है।" आज भी वह लगातार सीख रही हैं, आगे बढ़ रही हैं और अपने सपनों को जी रही हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि हौसले मजबूत हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

जिला एथलैटिक्स चैम्पियनशिप का समापन, महिला वर्ग में ईशा अव्वल

100 मीटर पुरुष वर्ग में नसीब ने मारी बाजी

प्रतियोगिता में जिले के 250 खिलाड़ियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

लड़के और लड़कियों की सीनियर जिला एथलैटिक्स चैम्पियनशिप का शुभारंभ मुख्य अतिथि एथलेटिक्स हिसार के सचिव मनोज कड़वासरा और डॉ. शमशेर बटोया ने दीप प्रज्वलित करके किया। बरवाला में आयोजित एक दिवसीय इस प्रतियोगिता में जिलाभर से करीब 250 एथलीट ने भागीदारी की। खेल मीडिया प्रभारी प्रदीप कनोह ने बताया कि समापन अवसर पर मदन शर्मा, देव रेड्डू, अनिल बरवाला कोच, प्रवीण बरवाला, विनोद चहल, राजेंद्र मुंडाल, सुधीर कोच, विकास रानी, नेहा राणा, अनिल बालक, मनदीप शर्मा बालक, राममेहर दुहन, सुनील नियाना, रवि कनोह,,मनजीत पूनिया आदि मौजूद रहे। समापन अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। विजेता खिलाड़ी राज्य सीनियर एथलैटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

हिसार। प्रतियोगिता में पदक विजेता मुख्यातिथि व मनोज कड़वासरा आदि के साथ।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे

100 मीटर महिला वर्ग में प्रथम स्थान ईशा जाखड़, द्वितीय हीना तथा तृतीय डिम्पल रही, 200 मीटर महिला वर्ग में प्रथम अंजू, द्वितीय निशु, तृतीय सोनम रही, 800 मीटर महिला वर्ग में प्रथम काफी, द्वितीय दीक्षा, तृतीय मीनाक्षी रही। इसी तरह 1500 मीटर महिला वर्ग में प्रथम रितिका, द्वितीय अनुष्का, तृतीय नेहा रही। लॉन्ग जंप में प्रथम डिम्पल, द्वितीय किरण, तृतीय कल्पना। गोला फेंक में प्रथम कनिका, द्वितीय शबनम, तृतीय सुनीता।

5000 मीटर दौड़ में अजय प्रथम, प्रवीण रहा द्वितीय

पुरुष वर्ग की 100 मीटर में प्रथम नसीब, द्वितीय देव सिहाग, तृतीय अभय रहा, 200 मीटर पुरुष वर्ग में प्रथम अर्पित, द्वितीय राहुल, तृतीय अभय रहा जबकि 400 मीटर में प्रथम देव सिहाग, द्वितीय दीपक, तृतीय सुमित रहा। इसी तरह 5000 मीटर में प्रथम अजय कुमार, द्वितीय सुनील कुमार, तृतीय अभिषेक रहा। लॉन्ग जंप पुरुष वर्ग में प्रथम अरुण, द्वितीय प्रवीण, तृतीय सौरभ रहा। जेवलिन थ्रो पुरुष वर्ग में प्रथम नवनीत, द्वितीय हरप्रीत, तृतीय अजय। शॉट पुट पुरुष वर्ग में प्रथम रक्षित, द्वितीय प्रिन्स, तृतीय कुनाल रहा।

सरकार से सकारात्मक वार्ता के बाद तीन दिवसीय सांकेतिक चक्का जाम समाप्त : कुलदीप बैनीवाल

- चक्का जाम में एकजुट होकर साथ देने वाले सभी ट्रांस्पोर्टर्स का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के आह्वान पर चल रहे तीन दिवसीय सांकेतिक चक्का जाम को सरकार के साथ हुई सकारात्मक बातचीत एवं विभिन्न ट्रांसपोर्ट एसोसिएशनों की आपसी सहमति के बाद समाप्त कर दिया गया। ट्रक ट्रांसपोर्ट हरियाणा के प्रदेश महासचिव कुलदीप बैनीवाल ने बताया कि आंदोलन के अंतिम चरण ने सरकार पर व्यापक प्रभाव डाला और ट्रांसपोर्टरों की एकजुटता का मजबूत संदेश दिया।उन्होंने कहा कि सरकार एसोसिएशन के लगातार संपर्क में थी और यह आग्रह कर रही थी कि वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय युद्ध जैसे हालातों के चलते देश पहले ही संकट के दौर से गुजर रहा है, इसलिए हड़ताल की अवधि को आगे न बढ़ाया जाए। इसी संदर्भ में पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह के निवास पर एक आपात बैठक आयोजित की गई, जिसमें सरकार की ओर से ट्रांसपोर्टरों की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव सहयोग का भरोसा दिया गया। सरकार ने विभागीय स्तर से लेकर न्यायालय के माध्यम तक सहायता उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। इन परिस्थितियों को देखते हुए आपसी सहमति से तत्काल प्रभाव से हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया। उन्होंने सभी ट्रांस्पोर्टरों से अपील की कि वे अपनी गाडिय़ों की लोडिंग एवं अनलोडिंग का कार्य तुरंत प्रभाव से पुनः शुरू कर सकते हैं। आंदोलन के दौरान सभी साथियों द्वारा दिए गए सहयोग, समर्थन, त्याग एवं योगदान के लिए ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, ट्रक ट्रांसपोर्ट हरियाणा, दि हिसार ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन हिसार तथा आंदोलन में सहभागी सभी एसोसिएशनों की ओर से आभार व्यक्त किया।

ध्यान देता है मानसिक शांतिः संजय

- ध्यान का महत्व समझाते हुए एक दिवसीय मेडिटेशन कैंप आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

ध्यान का महत्व समझाते हुए एक दिवसीय मेडिटेशन कैंप का आयोजन किया। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित इस मेडिटेशन कैंप में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। विभिन्न सत्रों के दौरान साधकों ने न केवल ध्यान विधियों का अभ्यास किया बल्कि जीवन को खुशनुमा और आनंदमय जीने के उपाय भी समझे।स्वामी संजय व मां सांची ने 4 से 7 जून तक आयोजित होने वाले चार दिवसीय शिविरों की जानकारी साझा की। स्वामी संजय ने बताया कि सतगुरु ओशो ने मेडिटेशन संबंधी अनेक प्रयोग किए और साधकों को ध्यान की सरल विधियों से रूबरू करवाया।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित मेडिटेशन कैंप में हिस्सा लेते साधक।

ध्यान साधना के लिए किया प्रेरित

स्वामी संजय ने मेडिटेशन कैंप के दौरान सत्संग करते हुए नियमित रूप से ध्यान साधना करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ध्यान करने से मानसिक शांति मिलती है और तनाव व चिंता दूर होते हैं। इसके साथ ही एकाग्रता व स्मरण शक्ति में सुधार होता है और कार्यक्षमता बढ़ती है। इतना ही नहीं इंसान को बेहतर नींद आती है और स्वास्थ्य भी सही रहता है। इसलिए हर इंसान को ध्यान को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

युवा नशे से दूरी, खेल से दोस्ती बढ़ाएंः विनोद

हांसी। जिला हांसी को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने युवाओं, विद्यार्थियों और अभिभावकों के नाम विशेष जनहित एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर खेल और शिक्षा को जीवन की प्राथमिकता बनाने की अपील की है। एसपी विनोद कुमार ने कहा कि युवा किसी भी समाज और देश की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। उनकी ऊर्जा, मेहनत और सकारात्मक सोच ही समाज को नई दिशा देती है। ऐसे में युवाओं का गलत संगत और नशे जैसी आदतों से दूर रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि कई बार थोड़े समय का आकर्षण या दिखावे की सोच युवाओं को ऐसे रास्ते पर ले जाती है, जहां से वापस लौटना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति की सेहत को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि उसका भविष्य, परिवार और पूरा समाज प्रभावित होता है।

योग संतुलित जीवन जीने की पद्धति : मुकेश

- सेक्टर चार स्थित डायनासोर पार्क में हुआ पांच दिवसीय भारतीय स्वाभिमान योग शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

सेक्टर-4 स्थित डायनासोर पार्क में भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति की ओर से आयोजित पांच दिवसीय योग शिविर का रविवार को आध्यात्मिक वातावरण में समापन हुआ। शिविर के अंतिम दिन बड़ी संख्या में उपस्थित साधकों ने नियमित योग, प्राणायाम, संतुलित खानपान एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। शिविर के अंतिम दिवस योग शिक्षक राजेश कुमार ने शंखनाद के साथ योग सत्र का शुभारंभ करवाया। भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी डॉ. मुकेश कुमार ने साधकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान क्रियाओं का अभ्यास करवाया। उन्होंने अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी प्राणायाम तथा सूर्य नमस्कार के लाभ बताते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि श्रेष्ठ एवं संतुलित जीवन जीने की पद्धति है। नियमित योग व्यक्ति के तन, मन और विचारों को संतुलित कर उसे निरोग एवं ऊर्जावान बनाता है। राज्य प्रभारी ईश आर्य ने पंचतत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु एवं आकाश की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानव शरीर भी इन्हीं तत्वों से निर्मित है। जब व्यक्ति का आहार, विचार एवं दिनचर्या प्रकृति के अनुरूप होती है, तब शरीर स्वस्थ, मन शांत और आत्मा ऊर्जावान बनी रहती है।

हिसार। योग शिविर के समापन अवसर पर उपस्थित समिति पदाधिकारी।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर पतंजलि महामंत्री सुनील कक्कड़, प्रधान राजकुमार गौड़, रमेश श्योकंद, नरेन्द्र सिंगल, वजीर मोर, शमशेर पूनिया, देवीलाल, उदयवीर, रामप्रवेश, राकेश, जयप्रकाश, ब्रह्मानंद, कमलेश, अनीता, अंजु, गीता, सुमन, मीना, प्रियंका, जगदीश मदान, महेंद्र सिंह, नंद किशोर, सुलतान सिंह, रामेहर फौजी, सुनील, सरोज दहिया, सुशीला, कृष्णा, पूनम, रेखा, नीलम, सुदेश, जगदीश सेक्रेटरी, अभिषेक, डॉ. विशाल सोनी, डॉ. राजन वर्मा, राजकंवर एवं राजबीर बलहारा सहित अनेक नागरिक रहे।

बरवाला। भजन कलाकार आयुषी राज को सम्मानित करते श्री नवदुर्गा मित्र मंडल के पदाधिकारी व सदस्यगण। फोटो: हरिभूमि

श्री नवदुर्गा मित्र मंडल ने करवाया मां भगवती का 13 वां विशाल जागरण

बरवाला। श्री नव दुर्गा मित्र मंडल बरवाला के तत्वावधान में वार्ड नं. 2 जावा मोहल्ला में मां भगवती के 13 वें विशाल जागरण का आयोजन किया गया। मां की ज्योत ज्वाला जी से लायी गई। मंडल के प्रधान मनोज अनेजा और एडवोकेट सचिन मेहता ने बताया कि इस जागरण में एडवोकेट नमन गोयल ने अपनी धर्मपत्नी तनिष्का के साथ गणेश पूजन किया और ज्योत प्रचंड युवा भाजपा नेता राहुल चोपड़ा ने किया तथा कंजक पूजन प्रमुख समाजसेवी मुकेश मित्तल ने किया। माता की चुन्नी युवा समाजसेवी आयुष शर्मा द्वारा अर्पण की गई और माता की आरती पार्षद दिनेश बजाज द्वारा करवाई गई। मंच संचालन पार्षद राजा मेहता ने किया। जागरण में दिल्ली से आई भजन कलाकारा आयुषी राज और हिसार से सोनम मल्होत्रा तथा बरवाला से बाल कलाकार चेतन भुटानी व उकलाना से शेखर शर्मा ने धार्मिक भजनों का गुणगान किया। कथावाचक हंसराज ने तारा रानी की कथा का गुणगान किया। इससे पूर्व भंडारा चलाया गया और इस भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मंडल के पदाधिकारी प्रधान मनोज अनेजा, प्रवीण मिड्ढा, नरेंद्र चावला, ललित सरदाना, अनु मदान, पंकज चोपड़ा, भरत असीजा, माधव मदान, जॉनी इंसा, सुनील अनेजा, शुभम मदान, सचिन मेहता, राजेंद्र मुंजाल, संजय परुथी, कालू मिड्ढा, नवीन काठपाल, विकास सेतिया व तरुण चावला आदि मौजूद रहे।

- ज्वाला जी से लाए मां की ज्योत

जिला ग्रेपलिंग रेसलिंग चैंपियनशिप का भव्य आगाज

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जिला ग्रेपलिंग रेसलिंग चैंपियनशिप-2026 का भव्य आगाज सीनियर सेकेंडरी स्कूल बेहबलपुर के कुश्ती हॉल में हुआ। प्रतियोगिता का पहला दिन शानदार ढंग से संपन्न हो गया। पूरे हिसार जिले से 250 के करीब महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने सब-जूनियर, कैडेट, जूनियर, सीनियर वेटरन कैटेगरी के विभिन्न भार वर्गों में भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ शुरू हुई इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि डॉ. विनोद स्वामी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा कि मुकाबलों में खिलाड़ियों ने जबरदस्त जोश, लगन और कुश्ती की बेहतरीन तकनीक दिखाई है। हिसार जिले की नई पीढ़ी ग्रेपलिंग रेसलिंग में तेजी से आगे बढ़ रही है। इनमें से कई खिलाड़ी राज्य स्तर पर पदक जीतकर हिसार का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने आगे कहा, ग्रेपलिंग कमेटी हरियाणा जिला स्तर पर ऐसे आयोजनों को लगातार प्रोत्साहित करेगी ताकि हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

हिसार। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर खिलाड़ी व अतिथि।

ये रहे उपस्थित

मौके पर विनोद शर्मा, महासचिव, ग्रेपलिंग कमेटी हरियाणा, दिनेश शास्त्री, उपाध्यक्ष, ग्रेपलिंग कमेटी हरियाणा, ग्रेपलिंग कमेटी हिसार के अध्यक्ष रण सिंह पवार, चेयरमैन सुकरमपाल बेनीवाल, बाबा हिंदुस्तानी, रामेश्वर दास भट्टीवाल, सुशील सरपंच, राजेश शर्मा, अशोक शर्मा, गुलशन, महावीर सिवाच रामनिवास यादव, रण सिंह धारीवाल, मनोज धारीवाल, रीनू बेनीवाल, महासचिव व आजाद हिंदुस्तानी सरपंच उपस्थित रहे। पहले दिन विभिन्न भार वर्गों में कड़े और रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस प्रतियोगिता अंकुश, काजल व अनु जांगड़ा ने निर्णायक की भूमिका निभाई। विजेता खिलाड़ी 13, 14 एवं 15 जून को महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में होने वाली हरियाणा राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में भाग लेंगे।

विद्यार्थियों ने सीखी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी की बारिकियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

श्री काली देवी विद्या मंदिर हांसी के विद्यार्थियों ने गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग का शैक्षणिक एवं तकनीकी भ्रमण किया। यह भ्रमण विभाग द्वारा संचालित 'प्रिंट फ्लेम' आउट रीच एवं जागरूकता कार्यक्रम के तहत आयोजित किया, जिसका उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग तकनीक के क्षेत्र से परिचित करवाना तथा उनमें तकनीकी शिक्षा के प्रति रुचि विकसित करना है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को प्रिंटिंग उद्योग में उपयोग होने वाली आधुनिक तकनीकों, मशीनों एवं प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

दाहिमा में हुई किसान महापंचायत में किसान नेताओं ने सरकार को कोसा

हिसार। किसान सभा के बैनर तले निकटवर्ती गांव दाहिमा में किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। किसान महापंचायत की अध्यक्षता गांव के सरपंच राजकुमार, डाया के सूरजभान, भोजराज के कृष्ण, श्याम कला तथा सतपाल शर्मा ने संयुक्त रूप से की जबकि मंच संचालन रमेश मिरका व अमेराम फौजी ने किया। मुख्य वक्ता के तौर पर किसानों को संबोधित करते हुए शमशेर नंबरदार व कामरेड इंद्रजीत ने कहा कि घग्गर ड्रेन में बाढ़, सेम व प्राकृतिक आपदा की वजह से झज्जर, भिवानी, ढादरी, हिसार, सिरसा व फतेहाबाद में बर्बाद हुई फसलों का प्रति एकड़ 50 हजार रुपये मुआवजा, गांव की बस्तियों व ढाणियों में हुए नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाए। ड्रेनों के तटबंध मजबूत किए जाएं, उनको साफ करके ड्रेन की क्षमता 2000 क्यूसिक की जाए, जिससे भविष्य में आम जनता को इस प्रकार की आपदा न झेलनी पड़े।

निःशुल्क भोजन वितरित कर रहा श्याम सेवा मंडल

आदमपुर। यहां के रेलवे ग्राउंड में यात्रियों व गरीब लोगों के लिए श्याम सेवा मंडल पिछले एक साल से निशुल्क खाना वितरित कर रहा है। श्याम सेवा मंडल के सदस्य अपने अपने हाथों से खाना तैयार करते हैं तथा स्वयं ही रेलवे स्टेशन पर लाकर यात्रियों एवं गरीब लोगों को भोजन उपलब्ध करवा रहे हैं। उनकी सेवा सराहनीय है। सेवा मंडल द्वारा श्याम रसोई के माध्यम से सुबह रोज 6 बजे से 9 तक भोजन व चाय, पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। नरेंद्र जैन ने बताया कि जन सहयोग से यह भंडारा चलाया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन सैकड़ों यात्रियों को इसका फायदा मिल रहा है।

अरुट जयंती पर फ्री मेडिकल कैंप

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

महाराजा अरुट सभा, हिसार की ओर से महाराजा अरुट जयंती पर फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में दोपहर एक बजे तक विभिन्न डॉक्टरों ने 323 रोगियों का निरीक्षण किया। सभा के प्रधान मेहरचंद मनचंदा व महासचिव जितेंद्र भारती ने बताया कि कैंप में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. मृदुल अरोड़ा, श्वास, एलर्जी, छाती, फेफड़ा रोग विशेषज्ञ डॉ. अश्वेन्द्र सिंह चावड़ा, चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ डॉ. अनूप गोयल, कान, नाक व गला रोग विशेषज्ञ डॉ. रिया ठकराल छाबड़ा व दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. मनन आहुजा ने रोगियों की जांच कर उन्हें फ्री दवाइइयां दी। समाजसेवी ओमप्रकाश असीजा, भीम मक्कड़, भीमसेन नारंग व जगदीश गांधी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

हिसार। रोगियों का निरीक्षण करते डॉ. मृदुल अरोड़ा व डॉ. मनन आहुजा।

लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट-से नो टू ड्रग्स को मिला समर्थन

हिसार। रेगालिया इवेंट्स की ओर से हिसार में आयोजित 'लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट–से नो टू ड्रग्स' कार्यक्रम को युवाओं और परिवारों का जबरदस्त समर्थन मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, संगीत प्रेमियों और परिवारों ने भाग लेकर नशा मुक्त समाज के संदेश को समर्थन दिया।कार्यक्रम में हरियाणवी कलाकार शिवा चौधरी और अमन राज गिल ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। वहीं प्रसिद्ध हरियाणवी गायक अजय भगता, जो 'जाट इंट्रो' 'चैल हरियाणे का' जैसे सुपरहिट गीतों के लिए जाने जाते हैं, ने विशेष प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। सिंगर और एंथम वाइब्स के फाउंडर संकल्प गांधी ने भी अपनी प्रस्तुति से युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान युवाओं में 'से नो टू ड्रग्स' अभियान को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में ऑडियंस एक्टिविटी, स्पॉन्सर सम्मान, इन्फ्लुएंसर वेलकम, फ्लैशलाइट मोमेंट, केक कटिंग सेरेमनी और रेगालिया इवेंट्स भी प्रस्तुत किए।

धार्मिक संकीर्तन में श्रद्धालुओं ने बीड़ बबरान धाम की अखंड ज्योति के किए दर्शन

बीड़ बबरान धाम के भव्य ताली संकीर्तन में गूंजे श्याम बाबा के जयकारे, भक्त हुए नतमस्तक

- निज पुजारी विनय शर्मा व अन्य गायकों ने बाबा की गाथाओं से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

महाभारतकालीन साक्ष्यों के संरक्षक बीड़ बबरान धाम द्वारा श्रद्धालुओं को अध्यात्म से जोडऩे के लिए भव्य ताली संकीर्तन आयोजित किया गया। सिरसा के प्राचीन श्याम मंदिर में आयोजित इस संकीर्तन में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया और तालियां बजाते हुए श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। ताली संकीर्तन के लिए प्राचीन अखंड ज्योति हिसार के बीड़ बबरान धाम से प्राचीन श्याम मंदिर में पहुंची। इस ज्योति के दर्शन करके श्रद्धालुओं को अनूठी अनुभूति हुई और वे अभिभूत होकर श्याम बाबा के दरबार में नतमस्तक हो गए। इस दौरान बीड़ बबरान धाम के निज पुजारी विनय शर्मा व अन्य गायकों ने श्याम बाबा की गाथाओं से परिचय करवाकर समां बांध दिया। श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के उदघोष से पूरे मंदिर परिसर को गुंजायमान कर दिया। इतना ही नहीं श्याम बाबा की महिमा सुनकर बहुत से श्रद्धालु नतमस्तक होकर झूमने व नाचने लगे। विनय शर्मा ने बताया कि श्याम बाबा की महिमा अपरम्पार है। जो भक्त सच्चे मन से श्याम बाबा की आराधना करता है, उसके संकट दूर हो जाते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष परीक्षा देते हुए वीर बर्बरीक ने एक ही तीर से पीपल के वृक्ष के सभी पत्तों में छेद कर दिया था।

हिसार। ताली संकीर्तन में सजा हुआ श्याम बाबा का दरबार।

हनुमान मंदिर बुधला संत स्थान में सुन्दरकाण्ड

हिसार। ऋषि नगर स्थित हनुमान मंदिर बुधला संत स्थान में सुन्दरकाण्ड पाठ व भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्रीहनुमान मंदिर बुधला संत सभा के सेवादारों द्वारा पाठ का उच्चारण किया गया। पाठ की समाप्ति पर भजन गायकों द्वारा भजन गाये गये जिन पर श्रद्धालु झूम उठे। घंटों तक पंडाल में बजरंग बली के जयकारे गूंजते रहे। समापन पर भंडारे का आयोजन किया गया। सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यह जानकारी देते हुए समाजसेवी कश्मीर भयाना ने बताया कि भजन संध्या में हांसी के विधायक विनोद भयाना, नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली, पूर्व मेयर गौतम सरदाना, दयानंद भयाना, सुरेश कक्कड़, ओमप्रकाश असीजा, कश्मीर भयाना, विनोद कुमार भयाना, डॉ. मोहन तनेजा, कुमार दिव्य दास, किशनलाल बागड़ी, भीमसैन नारंग, यादव असीजा, सतीश मेहता, जवाहर नारंग, अशोक मगगू, पवन गिरधर, सतपाल असीजा, जितेन्द्र सोनी, अमित धमीजा, भूपेन्द्र पाहवा, राजकुमार बजाज, टीनू आहुजा, महेन्द्र पाल, राजकुमार असीजा, हरीश पबरेजा, संजय गाबा, शुभम वलेचा, इन्द्र नागपाल आदि उपस्थित रहे।

हिसार। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज। फोटो: हरिभूमि

स्वदेशी, स्वावलंबन और स्व-रोजगार विकसित भारत की नींव के मजबूत स्तंभ : प्रो. कम्बोज

- एचएयू में 'विकसित भारत का आधार-स्वदेशी, स्वावलंबन और स्व-रोजगार' विषय पर हुई गोष्ठी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से कृषि महाविद्यालय में 'विकसित भारत का आधार-स्वदेशी, स्वावलंबन और स्व-रोजगार' विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि व रियाणा कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक राजेश गोयल मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि स्वदेशी, स्वावलंबन और स्व-रोजगार ऐसे तीन स्तंभ हैं, जिन पर विकसित भारत की मजबूत नींव रखी जा सकती है। स्वदेशी केवल देश में निर्मित वस्तुओं के उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने ज्ञान, तकनीक, कौशल और संसाधनों पर विश्वास करने की भावना भी है। जब हम स्थानीय उत्पादों और उद्योगों को बढ़ावा देते हैं तो किसानों, कारीगरों, लघु उद्यमियों और उद्योगों को नई ऊर्जा मिलती है तथा देश की आर्थिक स्थिति और अधिक सुदृढ़ होती हैं। केंद्र सरकार के 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' जैसे अभियान इसी सोच को आगे बढ़ा रहे हैं।

खबर संक्षेप

सेवा कार्य के रूप में मनाया जन्म दिवस

हिसार। भीख नहीं किताब दो संस्था की ओर से संचालित स्वाभिमान अध्ययन केंद्र एवं छात्रावास, तलवंडी राणा में एक अत्यंत प्रेरणादायक एवं भावनात्मक अवसर पर संस्था के समर्पित टीम सदस्य व हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रेस प्रवक्ता सुखबीर नागर द्वारा अपने पिता स्व. दरियाव सिंह धानक का जन्म दिवस सेवा कार्य के रुप में मनाया गया। स्व. दरियाव सिंह धानक समाज के उन गिने-चुने व्यक्तियों में से थे, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन वंचित, शोषित और कमजोर वर्ग के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। उन्हीं की स्मृति को बनाए रखने के लिए सुखबीर नागर ने बच्चों के साथ श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

नो टू ड्रग्स कार्यक्रम को मिला शानदार समर्थन

हिसार। रेगालिया इवेंट्स की ओर से हिसार में आयोजित 'लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट–से नो टू ड्रग्स' कार्यक्रम को युवाओं और परिवारों का जबरदस्त समर्थन मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, संगीत प्रेमियों और परिवारों ने भाग लेकर नशा मुक्त समाज के संदेश को समर्थन दिया। कार्यक्रम में हरियाणवी कलाकार शिवा चौधरी और अमन राज गिल ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। वहीं प्रसिद्ध हरियाणवी गायक अजय भगता, जो 'जाट इंट्रो' 'चैल हरियाणे का' जैसे सुपरहिट गीतों के लिए जाने जाते हैं, ने विशेष प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा।

चानौत के ग्रामीण मांगों पर डटे, 26 को पब्लिक हेल्थ चीफ से चंडीगढ़ में वार्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

चानौत गांव में पानी और बिजली की मांग पर चल रहा ग्रामीणों का धरना लगातार नौवें दिन भी जारी रहा। धरने पर गांव की महिलाएं, किसान और युवा बड़ी संख्या में डटे हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक गांव को स्थायी पेयजल व्यवस्था और बिजली संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरने पर किसान नेता सुरेश कौथ तथा मशहूर हरियाणवी रागिनी कलाकार ईश्वर छातर लगातार मौजूद रहकर ग्रामीणों का समर्थन कर रहे हैं। धरने को बूरा खाप के आठ गांवों, विभिन्न किसान संगठनों, इनेलो नेता उमेद लोहान, सीपीआई नेता मिया सिंह और कांग्रेस नेता मनोज राठी ने भी समर्थन दिया। नेताओं ने कहा कि गांववासियों की मांगें जायज हैं और

बिजली-पानी की मांग को लेकर धरना नौवें दिन भी जारी

हांसी। बिजली व पानी की समस्या को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीणों को संबोधित करते किसान नेता सुरेश खोथ।

चाहिए। इनेलो प्रमुख अभय सिंह चौटाला ने वीडियो कॉल के माध्यम जल्द धरने पर आने का आश्वासन दिया। धरना कमेटी ने बताया कि 26 विभाग के चीफ अधिकारियों के साथ बैठक के लिए बुलावा आया है।

चेतावनी दी

धरना कमेटी ने चेतावनी दी कि यदि 26 मई की बैठक में कोई ठोस समाधान नहीं निकला तो 28 मई को ग्रामीण स्वयं पाइपलाइन से गांव के लिए पानी का कनेक्शन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी।

आंदोलन के प्रमुख नेता अनूप चानौत ने कहा कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण है, लेकिन अपने अधिकारों के लिए वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब तक हांसी शहर को जाने वाली पाइपलाइन से गांव को कनेक्शन नहीं मिलेगा, तब तक धरना जारी रहेगा

ग्रामीणों ने कहा कि वे पूरी मजबूती के साथ गांव की मांग अधिकारियों के सामने रखेंगे।

रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं : सावित्री जिंदल

बाबा गुरबचन सिंह की स्मृति में 192 यूनिट रक्त एकत्रित

हिसार। मानवता की सेवा को समर्पित संत निरंकारी मिशन की ओर से बाबा गुरबचन सिंह की स्मृति में सुभाष नगर स्थित निरंकारी सत्संग भवन में रविवार को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 192 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्तदाताओं में 45 महिलाएं शामिल हैं। शिविर में हिसार की विधायक सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि व मेयर प्रवीण पोपली विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विधायक सावित्री जिंदल ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है। हम रक्तदान करके किसी को नया जीवन प्रदान कर सकते हैं। इसलिए सभी को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान को लेकर मिशन के स्वयंसेवकों का उत्साह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि निरंकारी मिशन ने सदैव सामाजिक कार्यों में अपनी उल्लेखनीय भागीदारी निभाई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ज्ञान प्रचारक भाई डॉ. यशपाल ने कहा कि निरंकारी मिशन के अनुयायी रक्तदान को मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम मानते हैं। निरंकारी बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के संदेश 'रक्त नाड़ियों में बहे, नालियों में नहीं' को उद्धृत करते हुए कहा कि मिशन के भक्त इस विचार को व्यवहार में उतारते हुए जरूरतमंदों को जीवनदान देने का कार्य कर रहे हैं।

पक्षियों के लिए सकोरे लगाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

अखिल भारतीय सेवा संघ, हिसार शाखा की ओर से बढ़ती गर्मी को देखते हुए शाखा अध्यक्ष डॉ. हेमंत आहूजा की अध्यक्षता में बेजुबान पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने के लिए सराहनीय पहल की गई। इसी कड़ी में शहर के टाउन पार्क में पक्षियों के लिए पानी पीने के लिए सकोरे वितरित किए गए। इस अवसर पर सेवा संघ के प्रांतीय संरक्षक राजेन्द्र सपड़ा ने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी की भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में समाज के प्रत्येक व्यक्ति का यह नैतिक दायित्व बनता है कि वह अपने घर, दुकान एवं सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी की उचित व्यवस्था करे। कार्यक्रम के दौरान

हिसार। पक्षियों के लिए सकोरे वितरित करते अखिल भारतीय सेवा संघ के पदाधिकारी व सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

शाखा अध्यक्ष डॉ. हेमंत आहूजा ने लोगों से अपील की वे गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों एवं पशुओं के प्रति संवेदनशील बनें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एमसी राजेश अरोड़ा, डॉ. दीपक नागपाल एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. नम्रता अग्रवाल का मोमेंटो भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव विनोद धवन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामचंद्र गुप्ता, प्रांतीय संरक्षक राजेंद्र सपड़ा, प्रांतीय कोषाध्यक्ष संदीप भाटिया, प्रांतीय सेवा रत्न संयोजक नरेंद्र ढुल, जिला संयोजक गौरव भाटिया, शाखा संरक्षक विनोद गोयल, प्रधान डॉ. हेमंत आहुजा, सचिव गुलशन कथूरिया, कोषाध्यक्ष संजीव राजपाल, वरिष्ठ उपप्रधान लोकेश अनेजा, मुख्य सलाहकार संजय सेहरा, रवि मेहता, उपप्रधान विनोद वर्मा, अमित धवन आदि मौजूद रहे।

छह साल से फरार पीओ करनाल से गिरफ्तार

हिसार। एंटी नारकोटिक सेल व साइबर सेल की टीम ने करीब 6 वर्षों से फरार चल रहे एक उद्घोषित अपराधी को करनाल क्षेत्र से काबू किया है। आरोपी की पहचान करनाल के रसूलपुर निवासी बलजीत सिंह के रूप में हुई है। आरोपी को आगामी कार्रवाई के लिए थाना एचटीएम पुलिस के हवाले कर दिया गया है। एएनसी प्रभारी उप नि इन्द्र सिंह गोदारा ने बताया कि आरोपी लंबे समय से कानून से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस गिरफ्त से बचने का प्रयास कर रहा था। आरोपी के खिलाफ अदालत द्वारा एनआइए एक्ट के तहत मामले में पेश न होने पर उसे उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। आरोपी पिछले करीब 6 वर्षों से फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत थी। एंटी नारकोटिक सेल व साइबर सेल की टीम द्वारा आरोपी की गतिविधियों, संभावित ठिकानों एवं संपर्क सूत्रों पर लगातार निगरानी रखी जा रही थी।

एनआईआरसी हिसार ब्रांच ने जीएसटी पर दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस

जीएसटी के विविध आयामों पर डाला प्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

चार्टर्ड अकाउंटेंट की संस्था एनआईआरसी हिसार ब्रांच के तत्वावधान में आईसीएआई की जीएसटी और अप्रत्यक्ष कर समिति द्वारा जीएसटी पर आधारित दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में आयोजित की गई इस कॉन्फ्रेंस में जीएसटी के विविध आयामों पर प्रकाश डाला गया। एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अजय गोयल ने बताया कि जीएसटी आधारित कॉन्फ्रेंस में सीए जेके मित्तल, सीए नव्य मल्होत्रा, सीए विकास ओमार, सीए आंचल कपूर, सीए सौरभ जैन व सीए नेहा

हिसार। एनआईआरसी हिसार ब्रांच द्वारा आयोजित दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में उपस्थित मुख्य वक्ता व पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

सुखीजा ने जीएसटी के अनेक पहलुओं से परिचय करवाया। उन्होंने बताया कि हाल ही में जीएसटी में की गई नई अपडेट पर भी विशेष चर्चा की गई। पैनल डिस्कशन के दौरान जीएसटी से जुड़ी बहुत सी महत्वपूर्ण बातें उभरकर सामने आई। इस कान्फ्रेंस के आयोजन में एनआईआरसी हिसार ब्रांच के वाइस चेयरमैन सीए विशेष भारद्वाज, सचिव सीए राजेश सिहाग, कोषाध्यक्ष सीए सुनील गोदारा, एनआईसीएएसए चेयरमैन सीए प्रतीक आर्य, एनआईआरसी हिसार ब्रांच के पूर्व चेयरमैन सीए अमन बंसल आदि का सहयोग रहा।

आत्मनिर्भरता एवं कठोर अनुशासन सशक्त नागरिक बनने का आधार

हांसी। एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते कर्नल ज्ञान प्रकाश पांडेय।

हांसी। हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल को कर्नल ज्ञान प्रकाश पांडेय, कमांडिंग ऑफिसर, थर्ड हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी, हिसार एवं हवलदार गुरजिंदर सिंह व दौरान कर्नल पांडेय ने विद्यालय की हिंदू शूटिंग स्पोर्ट्स अकादमी सहित एनसीसी प्रशिक्षण सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा 3 हरियाणा गर्ल्स बटालियन की कैडेट्स से संवाद किया। उन्होंने कैडेट्स के टर्न-आउट, अनुशासन एवं जोश की सराहना की। कैडेट्स को संबोधित करते हुए कर्नल ज्ञान प्रकाश पांडेय ने आध्यात्मिकता, आत्मनिर्भरता एवं कठोर अनुशासन को एक सशक्त नागरिक बनने का आधार बताया। उन्होंने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की कालजयी पंक्तियों नर हो, न निराश करो मन को का पाठ कर कैडेट्स को जीवन में संघर्षों से न घबराने की प्रेरणा दी। कर्नल पांडेय ने विद्यालय की विजिटर बुक में कैडेट्स को अत्यंत प्रेरित और अनुशासित बताते हुए संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्राचार्य अनिल कुमार, पीआई अनिल कुमार एवं सीटीओ सुमन मलिक ने कर्नल ज्ञान प्रकाश पांडेय एवं हवलदार का आभार व्यक्त किया।

जिंदल स्टेनलेस ने हरियाणा तकनीकी शिक्षा बोर्ड के साथ एमओयू नवीनीकरण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

उद्योग-उन्मुख तकनीकी शिक्षा को सशक्त बनाने और भविष्य के लिए तैयार विनिर्माण कार्यबल विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, जिंदल स्टेनलेस ने हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड (एचएसबीटीई), पंचकुला के साथ अपने सहयोग समझौते (एमओयू) का अगले तीन वर्षों के लिए नवीनीकरण किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य स्टेनलेस स्टील के उपयोग और विनिर्माण क्षेत्र से जुड़ी तकनीकी शिक्षा व कौशल विकास को बढ़ावा देते रहना है। पंचकुला में स्थित एचएसबीटीई कार्यालय में एचएसबीटीई के सचिव डॉ. राजेश गोयल और जिंदल स्टेनलेस के हिसार यूनिट के प्रमुख विजय बिंदलिश ने एमओयू पर हस्ताक्षर

हिसार। एमओयू नवीनीकरण के अवसर पर दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधि।

किए। इस दौरान जिंदल स्टेनलेस की स्टेनलेस अकादमी की प्रमुख भावना चोपड़ा श्रीकृष्णा, हिसार के एचआर विभाग में फंक्शन हेड प्रह्लाद सिंह चौधरी, एचएसबीटीई के अकाउंट्स एंड फाइनेंस प्रमुख हितेश कुमार अरोड़ा और एचएसबीटीई के उप सचिव बीएस सांगवान भी मौजूद थे। नवीनीकृत साझेदारी के तहत, जिंदल स्टेनलेस की स्टेनलेस अकादमी हरियाणा के एक अतिरिक्त सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थान तक स्टेनलेस स्टील वैकल्पिक कार्यक्रम का विस्तार करेगी। साझेदारी के अगले चरण में प्रयोगशालाओं को बेहतर बनाके व्यवहारिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर भी ध्यान दिया जाएगा। जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने एमओयू के नवीनीकरण पर कहा कि जिंदल स्टेनलेस में हमारा मानना है कि भारत के विनिर्माण भविष्य को मजबूत करने की शुरुआत कक्षाओं से होती है। एचएसबीटीई के साथ हमारी यह निरंतर साझेदारी उद्योग और शिक्षा जगत के बीच व्यावहारिक और अनुप्रयोग-आधारित शिक्षण के माध्यम से सेतु बनाने की साझा सोच को दर्शाती है।

तकनीकी समझ को और मजबूत करेंगे

इस नयी साझेदारी के साथ हम पॉलिटेक्निक स्तर पर स्टेनलेस स्टील और उसके उपयोग से जुड़ी तकनीकी समझ को और मजबूत करने की दिशा में काम जारी रखेंगे। साथ ही छात्रों को उद्योग के साथ ज्यादा जुड़ाव महसूस कराने का प्रयास करेंगे। आने वाले चरण में हम कार्यक्रम के दायरे को और विस्तारित करने तथा व्यावहारिक शिक्षण के अधिक अवसर उपलब्ध कराने की भी अपेक्षा रखते हैं।

राजली के नागा बाबा मंदिर में हुई पंचायत

मिर्जापुर के पूर्व सरपंच कृष्ण बने आठ गामा खाप के प्रधान

हिसार। जिले के गांव राजली स्थित नागा बाबा मंदिर में रविवार को आयोजित सर्वजातीय आठ गामा खाप की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से मिर्जापुर के पूर्व सरपंच कृष्ण को खाप का नया प्रधान चुना गया। पंचायत में भाईचारा, सामाजिक विवादों के समाधान और पर्यावरण संरक्षण को लेकर सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया गया। पंचायत की अध्यक्षता भरत सिंह नंबरदार ने की। बैठक में खाप की पुरानी कमेटी का तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद नई कमेटी के गठन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विभिन्न गांवों से पहुंचे सरपंचों, नंबरदारों व गणमान्य लोगों ने सर्वसम्मति से मिर्जापुर के पूर्व सरपंच कृष्ण को आठ गामा खाप का प्रधान चुना। नई कार्यकारिणी में बधावड़ से कृष्ण अभेराम, राजली से प्रदीप शास्त्री, ढाढ से रमेश अभेराम, गुराणा से ऋषि राम, खानपुर से रामफल, घिराय से जयवीर तथा खरकड़ी से सरपंच प्रतिनिधि विक्रम को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। इस दौरान पूर्व प्रधान कुलदीप बूरा, जयपाल, धर्मपाल बूरा, सरपंच प्रतिनिधि संदीप, पूर्व सरपंच सतबीर खरकड़ी, मास्टर सूरजमल बूरा, शमशेर, अजीत खरकड़ी, राजेश नेहरा ढाढ, रामअवतार शर्मा सरपंच गुराना आदि मौजूद रहे।

मांगों का जल्द समाधान नहीं किया तो होगा आंदोलन : यूनियन

हिसार। सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन, शाखा स्वास्थ्य विभाग हिसार ने नागरिक अस्पताल हिसार में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को ज्ञापन सौंपा। यूनियन के राज्य उपप्रधान रामफल शिकारपुर, शाखा प्रधान रविंद्र कुमार तथा जिला सचिव दीपक खत्री ने बताया कि सामान्य नागरिक अस्पताल में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की कई मांगें लंबे समय से लंबित पड़ी हैं। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो यूनियन आंदोलन करने को मजबूर होगी। उन्होंने बताया कि ज्ञापन में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत कार्यरत कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान करने, प्रत्येक माह की 7 तारीख तक वेतन जारी करने, वर्दी भत्ता लागू करने तथा ड्यूटी रोस्टर बनाते समय किसी भी कर्मचारी के साथ भेदभाव नहीं करने की मांग उठाई गई है। इसके अलावा 4 से 6 मई तक चले आंदोलन के दौरान यूनियन के राज्य उपप्रधान पवन कुमार और विक्रम स्वीपर का भिवानी तथा जिला उपप्रधान ममता का आर्यनगर तबादला किए जाने का भी विरोध किया गया। यूनियन ने इन तबादलों को रद्द करने की मांग की है। यूनियन नेताओं ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर 14 मई को हुई बैठक में मांगों पर सहमति जताई गई थी। इन मांगों को पूरा करने की बजाय द्वेषपूर्ण भावना से यूनियन पदाधिकारियों का तबादला कर दिया गया, जिसको लेकर कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि विभाग प्रशासन को गंभीरता से लंबित मांगों का समाधान करना चाहिए। यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो कर्मचारी आंदोलन की राह अपनाने के लिए बाध्य होंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

बायोडायवर्सिटी विनाश से प्रजातियों के लुप्त होने की रफ्तार बढ़ी: सुनीता

- डॉ. सुनीता ने अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के थीम ग्लोबल एक्शन के लिए स्थानीय स्तर पर की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी प्रदान की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। सेमिनार को संबोधित करते डॉ. सुनीता श्योकंद।

पृथ्वी अब तक प्राकृतिक कारणों से हुई पांच प्रलय झेल चुकी है और मौजूदा चल रहे छठे प्रलय में स्पीशीज के लुप्त होने की रफ्तार 1000 गुणा बढ़ी है। वानप्रस्थ डिग्निटी ट्रस्ट की ओर से मॉडल टाउन में हुए सेमिनार में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ. सुनीता श्योकंद ने अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के थीम ग्लोबल एक्शन के लिए स्थानीय स्तर पर की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। प्रेजेंटेशन के बाद हुई चर्चा में खजान सिंह नैन ने पेस्टीसाइड्स के अंधाधुंध इस्तेमाल से पौधों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खाने वाले मांसाहारी कीटों के नष्ट होने पर चिंता व्यक्त की। पद्म मेहता ने खानपान में संयम के अभाव और पीसी चुघ ने मैकेनाइजेशन से होने वाले प्रभावों पर विचार रखे। हरीश जुनेजा ने जैव विविधता पर मोनो क्रॉपिंग के प्रभाव से जुड़े अनुभव साझा किए। पिछले 31 सालों से बायोमास कम्पोस्टिंग कर रही सुदेश कालड़ा ने बताया इस एक्सरसाइज से उनके घर में केंचुओं की बायोडायवर्सिटी में बेतहाशा वृद्धि हुई है और घर की बगिया में पक्षियों की आवक बढ़ी है। कैल्शियम कार्बाइड से पके फलों से परहेज करने से अब वे प्राकृतिक स्वाद वाले फलों के इंतजार वाले दिनों में वापसी करने लगे हैं। इस दौरान अनाजों की रेंज गेहूं, मक्का और धान लक सिमटने पर चिंता व्यक्त करते हुए रेंज में जौ, ज्वार, जई जैसे मोटे अनाजों को शामिल करने की वकालत की गई। सीमित धरती पर इंसानों की आबादी और हवस दोनों की बेतहाशा वृद्धि की पृष्ठभूमि में नवीन मेहतानी और सविता सिंगल ने दोनों में संतुलन स्थापित करने वाले कदमों को लागू करने की पैरवी की। जोगिंद्र डांग ने अरावली और खानक की पहाड़ियां कटने के दुष्प्रभावों पर चर्चा की। बायोडायवर्सिटी और क्लाइमेट चेंज के बीच संबंधों के माध्यम से सुनीता मेहतानी ने आगाह किया कि अंकुश के लिए किए जाने वाले उपायों को अब और अधिक टाइम तक टाला नहीं जा सकता।

हौसलों की उड़ान: ट्रेनिंग से पहले ही आदमपुर में फार्मेसी के 38 छात्रों को मिली अपोलो फार्मेसी में नौकरी

आदमपुर। राजकीय बहुतकनीकी मंडी आदमपुर के फार्मेसी विभाग के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और मेहनत का शानदार परिचय दिया है। संस्थान में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में एशिया की सबसे बड़ी रिटेल फार्मेसी कंपनी अपोलो फार्मेसी द्वारा 47 विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया गया, जिनमें से 38 विद्यार्थियों का एक साथ चयन हुआ वहीं शेष विद्यार्थियों को 'होल्ड ऑन पोजीशन' पर रखा गया, जो अपने आप में संस्थान के लिए गर्व और उपलब्धि का विषय है। प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन फार्मेसी विभाग के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया। चयन प्रक्रिया तीन चरणों, लिखित परीक्षा, तकनीकी साक्षात्कार एवं पर्सनल इंटरव्यू के माध्यम से हुई। अपोलो फार्मेसी की टीम में एचआर सीनियर मैनेजर आकांक्षा त्यागी, ऑपरेशन विभाग से सीनियर एग्जीक्यूटिव रूपेश बाबू एवं अमित त्यागी शामिल रहे। एचआर मैनेजर आकांक्षा त्यागी ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान में विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स पर भी विशेष रूप से तैयार किया जाता है। यही कारण है कि यहां का प्रत्येक छात्र आत्मविश्वास और गुणवत्ता से भरपूर नजर आया। हम किसी भी छात्र को अस्वीकार नहीं कर सके। अपोलो फार्मेसी की डीजीएम प्रिया मिश्रा ने भी सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनका अपोलो परिवार में स्वागत किया। संस्थान के प्राचार्य डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर नरेश घनघस ने चयनित विद्यार्थियों को प्रशिक्षण से पूर्व ही रोजगार मिलने पर शुभकामनाएं दी।

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के आठ छात्रों का आईटी कंपनी टीसीएस में चयन

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के आठ विद्यार्थियों को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की ओर से टीसीएस नेशनल क्वालिफायर टेस्ट (एनक्यूटी) भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से वर्तमान ऑफर रोलआउट में चयनित घोषित किया गया है। उम्मीद है कि बाद के ऑफर रोलआउट में कुछ और विद्यार्थियों का भी चयन होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों में गुजविप्रौवि के विद्यार्थियों का लगातार चयन विश्वविद्यालय के मजबूत शैक्षणिक माहौल, उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण और विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को मजबूत करती हैं और राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थियों की प्रतिभा, क्षमता और रोजगार योग्यता को प्रदर्शित करती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में और भी कई विद्यार्थी अग्रणी कंपनियों में प्लेसमेंट हासिल करेंगे। कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने भी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी तथा कहा कि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज एक विश्व स्तर पर प्रसिद्ध आईटी सेवा, परामर्श और व्यावसायिक समाधान संगठन है, जो 50 से अधिक वर्षों से दुनिया भर के अग्रणी व्यवसायों के साथ साझेदारी कर रहा है, और ऐसी प्रतिष्ठित कंपनी में गुजविप्रौवि के विद्यार्थियों का चयन विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने बताया कि इस वर्ष, टीसीएस ने तीन भर्ती श्रेणियों, टीसीएस निंजा, टीसीएस डिजिटल और टीसीएस प्राइम, के लिए अपनी भर्ती प्रक्रिया का आयोजन किया। मार्च 2026 में शुरू हुई चयन प्रक्रिया में ऑनलाइन लिखित टीसीएस एनक्यूटी परीक्षा शामिल थी, जिसके बाद तकनीकी साक्षात्कार हुआ। डॉ. प्रताप सिंह ने भर्ती प्रक्रिया को सफलतापूर्वक समन्वित करने और उसमें सहयोग देने के लिए टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की सुश्री काजल तोमर (कैंपस रिक्रूटर, टैलेंट एक्विजिशन ग्रुप-नॉर्थ), सुश्री शिखा तंवर और श्री विकास गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने के लिए सभी विभागाध्यक्षों तथा ट्रेनिंग और प्लेसमेंट समन्वयक शिक्षकों की भी सराहना की।